NEWS CLIPPING: 25.04.2018

DAINIK JAGRAN

बौद्धिक संपदा की भूमिका समझनी होगी : प्रो.दिनेश

वाईएमसीए विश्वविद्यालय में आयोजित बौद्धिक संपदा अधिकारों और पेटेंट प्रक्रिया पर एक सप्ताह तक चलने वाले कार्यक्रम में कुलपति प्रो. दिनेश विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए ● जागरण

जासं, फरीदाबाद : वाईएमसीए विश्वविद्यालय द्वारा राष्ट्रीय तकनीकी शिक्षक प्रशिक्षण एवं अनुसंधान संस्थान(एनआइटीटीटीआर) चंडीगढ़ के सहयोग बौद्धिक संपदा अधिकारों और पेटेंट प्रक्रिया पर एक सप्ताह से चलने वाले लघु अवधि के प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ कुलपति प्रो. दिनेश कुमार ने और अध्यक्षता एनआइटीटीटीआर के उद्यमिता विकास तथा औद्योगिक समन्वय विभाग के अध्यक्ष तथा प्रोफेसर डॉ.जेएस सैनी ने की। विश्वद्यालय के कुलपति प्रो. दिनेश कुमार ने बताया कि कार्यक्रम में बौद्धिक संपदा अधिकारों की भूमिका, महत्व और इन्हें संरक्षित करने की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने बताया कि वैश्वीकरण के दौर में बौद्धिक संपदा की बढ़ती प्रासंगिकता के कारण शिक्षाविदों शोधकर्ताओं, वैज्ञानिकों तथा तकनीकीविदों को बौद्धिक संपदा की भूमिका को समझना होगा। बौद्धिक संपदा के संरक्षण की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए विश्वविद्यालय द्वारा बौद्धिक संपदा अधिकार प्रकोष्ठ गठित किया गया है। डॉ.जेएस सैनी ने कार्यक्रम की संक्षिप्त रूपरेखा प्रस्तुत की तथा बौद्धिक संपदा अधिकारों तथा इसके संरक्षण के महत्व के बारे में बताया। कार्यक्रम के तकनीकी सत्रों को भगत फूलसिंह महिला विश्वविद्यालय, खानपुर कलां में विधि विभाग के बौद्धिक संपदा अधिकार अध्ययन केन्द्र के समन्वयक डॉ. प्रमोद मलिक, एडवोकेट व पेटेंट अटार्नी वरुण शर्मा, दिल्ली में पंजीकृत पेटेंट एजेंट नूपुर गोयल भी संबोधित करेंगे। कार्यक्रम के दौरान प्रतिभागियों को राष्ट्रीय अनुसंधान विकास निगम, दिल्ली तथा प्रौद्योगिकी सूचना, पूर्वानुमान तथा आकलन परिषद्, दिल्ली का दौरा भी करवाया जाएगा।

YMCA University of Science & Technology
(NAAC Accredited Grade 'A' State University)
Sector 6, Faridabad (HARYANA) – 121006

NEWS CLIPPING: 25.04.2018

PUNJAB KESARI

बौद्धिक संपदा अधिकारों का महत्व समझना होगा: प्रो. दिनेश कुमार

पेटेंट प्रक्रिया पर सप्ताह व्यापी प्रशिक्षण कार्यक्रम

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कुलपति प्रो दिनेश कुमार। (छाया :एस शर्मा)

फरीदाबाद, 24 अप्रैल (ब्यूरो): बौद्धिक संपदा अधिकारों की उपयोगिता को लेकर वाईएमसीए विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय द्वारा राष्ट्रीय तकनीकी शिक्षक प्रशिक्षण एवं अनुसंधान संस्थान, एनआईटीटीटीआर, चड़ीगढ़ के सहयोग बौद्धिक संपदा अधिकारों तथा पेटेंट प्रक्रिया पर एक सप्ताह से चलने वाले लघु अवधि के प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। कार्यक्रम का शुभारंभ कुलपति प्रोण् दिनेश कुमार ने किया तथा इसकी अध्यक्षता एनआईटीटीटीआरए चड़ीगढ़ के उद्यमिता विकास तथा औद्योगिक समन्वय विभाग के अध्यक्ष तथा प्रोफेसर डॉ जे.एस सैनी ने की।

कार्यक्रम का समन्वयन अधिष्ठाता अकादमिकद्ध डॉ विक्रम सिंह, एलुमनी व कार्पोरेट सेल के निदेशक डॉ संजीव गोयल तथा इंडस्ट्री रिलेशन्स सेल की निदेशक डॉ रश्मि पोपली द्वारा किया जा रहा है। अपने संबोधन में कुलपति ने नवाचार में बौद्धिक संपदा अधिकारों की भूमिका तथा महत्व और इन्हें संरक्षित करने की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने कहा कि वैश्विकरण के दौर में बौद्धिक संपदा की बढ़ती प्रासंगिकता के कारण शिक्षाविदों, शोधकर्ताओं, वैज्ञानिकों तथा तकनीकीविदों को बौद्धिक संपदा की भूमिका को समझना होगा। उन्होंने बताया कि बौद्धिक संपदा के संरक्षण की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए विश्वविद्यालय द्वारा बौद्धिक संपदा अधिकार प्रकोष्ठ गठित किया गया है। इस अवसर पर संबोधित करते हुए डॉ जे.एस सैनी ने कार्यक्रम की संक्षिप्त रूपरेखा प्रस्तुत की तथा बौद्धिक संपदा अधिकारों तथा इसके संरक्षण के महत्व के बारे में बताया। कार्यक्रम के तकनीकी सत्रों को भगत फू लसिंह महिला विश्वविद्यालय खानपुर कलां में विधि विभाग के बौद्धिक संपदा अधिकार अध्ययन केन्द्र के समन्वयक डॉ प्रमोद मलिक, एडवोकेट व पेटेंट अटार्नी वरूण शर्मा, दिल्ली में पंजीकृत पेटेंट एजेंट नूपुर गोयल भी संबोधित करेंगे।

पंजाब केसरी ई-पेपर
Wed, 25 April 2018
epaper.punjabkesari.in/c/28156308

NEWS CLIPPING: 25.04.2018

DAINIK BHASKAR

'बौद्धिक संपदा अधिकारों की उपयोगिता को समझना होगा'

फरीदाबाद|बौद्धिक संपदा अधिकारों की उपयोगिता को लेकर वाईएमसीए विश्वविद्यालय ने राष्ट्रीय तकनीकी शिक्षक प्रशिक्षण एवं अनुसंधान संस्थान (एनआईटीटीटीआर) के सहयोग से 'बौद्धिक संपदा अधिकारों तथा पेटेंट प्रक्रिया' पर प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया। इसका शुभारंभ कुलपति प्रो. दिनेश कुमार ने किया। जबकि अध्यक्षता एनआईटीटीटीआर के उद्यमिता विकास तथा औद्योगिक समन्वय विभाग के अध्यक्ष तथा प्रोफेसर डॉ. जेएस सैनी ने की। कार्यक्रम का समन्वयन डॉ. विक्रम सिंह, डॉ. संजीव गोयल और इंडस्ट्री रिलेशंस सेल की निदेशक डॉ. रश्मि पोपली ने किया। इस दौरान कुलपति ने नवाचार में बौद्धिक संपदा अधिकारों की भूमिका तथा महत्व और इन्हें संरक्षित करने की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने कहा वैश्वीकरण के दौर में बौद्धिक संपदा की बढ़ती प्रासंगिकता के कारण शिक्षाविदों, शोधकर्ताओं, वैज्ञानिकों तथा तकनीकीविदों को बौद्धिक संपदा की भूमिका को समझना होगा। उन्होंने कहा कि बौद्धिक संपदा के संरक्षण की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए विश्वविद्यालय ने बौद्धिक संपदा अधिकार प्रकोष्ठ गठित किया है। इस दौरान डा. जेएस सैनी ने बौद्धिक संपदा अधिकारों तथा इसके संरक्षण के महत्व के बारे में बताया।

NEWS CLIPPING: 25.04.2018

AMAR UJALA

बौद्धिक संपदा अधिकारों की उपयोगिता को समझना होगा: प्रो. दिनेश कुमार

फरीदाबाद। बौद्धिक संपदा अधिकारों की उपयोगिता को लेकर वाईएमसीए विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय में एक सप्ताह तक चलने वाले लघु अवधि के प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। राष्ट्रीय तकनीकी शिक्षक प्रशिक्षण एवं अनुसंधान संस्थान चंडीगढ़ के सहयोग इस कार्यक्रम का शुभारंभ विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. दिनेश कुमार ने किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता एनआईटीटीटीआर, चंडीगढ़ के उद्यमिता विकास एंव औद्योगिक समन्वय विभाग के अध्यक्ष प्रो. जेएस सैनी ने की। अपने संबोधन में कुलपति ने नवाचार में बौद्धिक संपदा अधिकारों की भूमिका, महत्व और इन्हें संरक्षित करने की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने कहा कि वैश्विकरण के दौर में बौद्धिक संपदा की बढ़ती प्रासंगिकता के कारण शिक्षाविद, शोधकर्ताओं, वैज्ञानिकों और तकनीकीविद को बौद्धिक संपदा की भूमिका को समझना होगा। उन्होंने बताया कि बौद्धिक संपदा के संरक्षण की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए विश्वविद्यालय द्वारा बौद्धिक संपदा अधिकार प्रकोष्ठ गठित किया गया है। ब्यूरो

YMCA University of Science & Technology
(NAAC Accredited Grade 'A' State University)
Sector 6, Faridabad (HARYANA) – 121006

NEWS CLIPPING: 25.04.2018

NAVBHARAT TIMES

बौद्धिक संपदा अधिकारों तथा पेटेंट प्रक्रिया पर हुआ कार्यक्रम

वरिष्ठ संवाददाता, फरीदाबाद : बौद्धिक संपदा अधिकारों की उपयोगिता को लेकर वाईएमसीए विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय द्वारा राष्ट्रीय तकनीकी शिक्षक प्रशिक्षण एवं अनुसंधान संस्थान (एनआईटीटीटीआर) चंडीगढ़ के सहयोग 'बौद्धिक संपदा अधिकारों तथा पेटेंट प्रक्रिया' पर कार्यक्रम शुरू किया गया। यह कार्यक्रम एक सप्ताह से चलने वाले लघु अवधि के प्रशिक्षण के रूप में चलेगा। कार्यक्रम का शुभारंभ मंगलवार को कुलपति दिनेश कुमार ने किया व इसकी अध्यक्षता एनआईटीटीटीआर के उद्यमिता विकास तथा औद्योगिक समन्वय विभाग के अध्यक्ष तथा प्रोफेसर डॉ. जेएस सैनी ने की।

> वाईएमसीए विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय में हुआ कार्यक्रम

कुलपति ने नवाचार में बौद्धिक संपदा अधिकारों की भूमिका तथा महत्व और इन्हें संरक्षित करने की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने कहा कि वैश्वीकरण के दौर में बौद्धिक संपदा की बढ़ती प्रासंगिकता के कारण शिक्षाविदों, शोधकर्ताओं, वैज्ञानिकों तथा विशेषज्ञों को बौद्धिक संपदा की भूमिका को समझना होगा। कार्यक्रम के दौरान बौद्धिक संपदा अधिकारों के संरक्षण, पेटेंटिंग प्रक्रिया, सूचना तथा खोज, अकादमिक व औद्योगिक साझेदारी में नवाचार तथा अनुसंधान, ट्रेडमार्क तथा कॉपीराइट संरक्षण तथा अनुसंधान के प्रकाशन तथा पेटेंटिंग के संदर्भ में अनुसंधानकर्ताओं के लिए जरूरी बातों पर चर्चा की।

NEWS CLIPPING: 25.04.2018

HINDUSTAN

पेटेंट प्रक्रिया के बारे में जागरूक किया

फरीदाबाद। वाईएमसीए विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय की ओर से मंगलवार से राष्ट्रीय तकनीकी शिक्षक प्रशिक्षण एवं अनुसंधान संस्थान की बौद्धिक संपदा अधिकारों तथा पेटेंट प्रक्रिया पर प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें पेटेंट प्रक्रिया के बारे में जागरूक किया गया। इसकी अध्यक्षता एनआईटीटीटीआर के उद्यमिता विकास एवं औद्योगिक समन्वय विभाग के अध्यक्ष व प्रोफेसर डॉ. जेएस सैनी ने की।